विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय- हिंदी *दिनांक—17/10/2020*
वर्ग-तृतीय *वर्ग-शिक्षिका— नीतू कुमारी*

नवरात्रि की शुभकामनाएँ

पाठ-15

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने पानी की खोज कहानी का आधा भाग अध्ययन किया। आज की कक्षा में आपको कहानी का शेष भाग पढ़ना है। जो कि इस प्रकार है :—

कुछ कपड़े धो रहे थे। कुछ बच्चे पानी में खेल रहे थे। दोनों झील के पास पहुँचे तो ज़ीटो बोल पड़ा, "यह पानी मेरे किसी काम का नहीं। देखो न, लोग साबुन और हानिकारक रसायनों से इसे ख़राब कर रहे हैं।"
अब तीन ने ज़ीटो से पास की नदी पर चलने को कहा। नदी पर पहुँचकर ज़ीटो ने पानी की जाँच की। फिर, आसपास के कारख़ानों पर नज़र दौराते हुए बोला, "ये कारख़ाना अपना बचा- खुचा, बेकार कचरा और रसायन नदी में बहा देते हैं। इस कारण नदी का पानी ज़हरीले रसायनों से भरा पड़ा है। यह भी मेरे किसी काम का नहीं।
टीना की समझ में नहीं आ रहा की वह क्या करे।वह सोचने लगी की पानी और कहाँ-कहाँ मिल सकता है। उसे याद आया कि एक बार जब वह गाँव गयी थी तब उसने एक कुआँ देखा था। वह ज़ीटो को पास के एक गाँव में ले गयी। ज़ीटो ने कुएँ का पानी जाँचा।

बच्चों, आज के लिए इतना ही, शेष अगली कक्षा में।

गृहकार्य:—
कहानी को पढ़ें तथा कठिन शब्द चुनकर लिखें।